बेटी है एक रतन अमोल

बेटी है एक रतन अमोल कोख में मत मरबईयो रे,
मत मरबईयो रे कोख में मत मरबईयो रे,
बेटी है एक रतन अमोल कोख में मत मरबईयो रे....

जा दिन बेटी जन्म ले खुशी खूब मनईयो रे,
6 दिन की है जाए तो बाकी छठी पुजईयो रे,
बेटी है एक रतन अमोल कोख में मत मरबईयो रे....

10 दिन की है जाए तो वह को नाम धरईयो रे,
5 साल की होय पाठशाला भिजबईयो रे,
बेटी है एक रतन अमोल कोख में मत मरबईयो रे....

तन मन से बेटी को तुम सब खुब पढईयो रे,
टीचर तहसीलदार बेटी को जज बनईयो रे,
बेटी है एक रतन अमोल कोख में मत मरबईयो रे....

20 और 21 साल की को ब्याह रचईयो रे,
बेटी योग देखकर आपस में मिलबईयो रे,
बेटी है एक रतन अमोल कोख में मत मरबईयो रे....

बेटी और बेटा में कोई मत भेद बनियों रे,
कहे संत बेटी कोई कारण खूब कमईयों रे,
बेटी है एक रतन अमोल कोख में मत मरबईयो रे....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27908/title/beti-hai-ek-ratan-amol

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |